भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 742

04 फरवरी, 2026 को उत्तर देने के लिए

राष्ट्रीय मानचित्रण डेटा

†742. श्री एम. के. राघवनः

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग, इसरो और निजी मानचित्रण सेवा प्रदाताओं जैसी एजेंसियों के सहयोग से राष्ट्रीय मानचित्रण डेटा की सटीकता, विश्वसनीयता और वास्तविक समय पर अद्यतन करने में सुधार के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार का सटीक मानचित्रण और नौवहन सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विकसित अर्थव्यवस्थाओं में अपनाए गए संवेदी नेटवर्क और उन्नत डेटा-संग्रह अवसंरचना को यहाँ स्थापित करने हेतु एक राष्ट्रीय ढांचा या नीति बनाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सहयोग से 1145 निरंतर संचालित संदर्भ स्टेशनों (सीओआरएस) का एक नेटवर्क स्थापित किया गया है, जो सेंटीमीटर स्तर की सटीकता के साथ रियल टाइम स्थिति निर्धारण सेवा प्रदान करने में सक्षम है। 10 राज्यों के लिए उच्च सटीकता वाला जियोइड मॉडल विकसित किया गया है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भारत के महापंजीयक के कार्यालय और जनगणना आयुक्त के सहयोग से एकल आधिकारिक प्रशासनिक सीमा डेटाबेस (एबीडीबी) विकसित किया गया है।

(ख) देश के भीतर मौजूदा डेटा अधिग्रहण, प्रसंस्करण और प्रसार अवसंरचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं, जैसे कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा अधिसूचित तथा अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) तथा अन्य वैश्विक मानक-निर्धारण निकायों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप है। यह अवसंरचना सतत् उन्नयनाधीन है और इसे नवीनतम प्रौद्योगिकियों और मानकों के अनुरूप अद्यतन किया जाता है। इस संदर्भ में, आधारभूत भू-स्थानिक अवसंरचना और डेटासेट विकसित करने के लिए केंद्रीय बजट (2025-26) में राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन की घोषणा की गई है।

*****